Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 21-03-2006

Participants : Singh Kunwar Manvendra

an>

Title : Shortage of potable water in Mathura, Uttar Pradesh.

**कुंवर मानवेन्द्र सिंह : ** उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के जनपद मथुरा में आजादी के 59 साल के बाद भी पेय जल की समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीण अंचलों में आज भी महिलाएं तीन से चार किलोमीटर दूर से पानी सिर पर रख कर लाती हैं। स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने वर्ा 1984 में, जब मैं भी संसद सदस्य था, इस सदन में इस समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से पेय जल योजना को प्रारम्भ

---

*NotRecorded.

किया था, किन्तु पेय जल आपूर्ति हेतु उत्तरदायी जल निगम की स्थिति अत्यन्त दयनीय है। यह संस्था जल निगम के नाम से जानी जाती है लेकिन इसके पास अपने कर्मचारियों को समय पर, नियमित रूप से देने के लिए वेतन भी नहीं है। इस विभाग द्वारा तीन या चार ग्रामों को पेय जल आपूर्ति हेतु पानी की टंकियां बनायी गई थीं । किंतु आज विभाग द्वारा संचालित 90 प्र ातिशत टंकियां क्षतिग्रस्त अथवा अनुपयोगी हैं जिनसे पूर्ति नहीं की जा रही है।...(व्यवधान) आपको क्या बुरा लग रहा है क्या आपके यहां पानी की व्यवस्था हो गई है?...(व्यवधान) केन्द्र सरकार वहां पैसा दे रही है। वहां पैसा नहीं लग रहा है। माननीय मंत्री जी ने कहा है कि सौ करोड रुपया भेजा है।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Manvendra Singh, please address the Chair.

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded except the statement of Kunwar Manvendra Singh.

*(Interruptions) ...**

कुँवर मानवेन्द्र सिंह : वहां 90 प्रतिशत पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त तथा अनुपयोगी हैं जिनसे पानी की आपूर्ति नहीं की जा रही है। भीाण गर्मी में यह समस्या और भी विकराल रूप धारण कर लेगी। मेरे जनपद में प्रतिर्वा करोड़ों तीर्थयात्री और पर्यटक आते हैं। इस समस्या के कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। महामहिम राट्रपति जी और माननीय प्रधानमंत्री ने भी इस समस्या पर अपनी चिंता प्रकट की थी और यू.पी.ए. सरकार की अध्यक्षा माननीय श्रीमती सोनिया जी...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is your demand?

कुँवर मानवेन्द्र सिंह : इस समस्या के निदान के लिए बार-बार हमारी पार्टी में यह मामला उठता रहा है। माननीय ग्रामीण ि वकास मंत्री द्वारा अवगत कराया गया है कि उत्तर प्रदेश में पेयजल की समस्या के समाधान हेतु राज्य सरकार को सौ करोड़ रुपए दिया गया है...(व्यवधान) दिया गया है यह माननीय मंत्री जी ने बताया है।...(व्यवधान) मैंने जनपद की पेयजल की समस्या के समाधान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के जल निगम, निदेशक को अनेक पत्र लिखे गए परंतु कोई भी प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि जनपद मथुरा और उत्तर प्रदेश के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल की मूलभूत आ वश्यकताओं हेतु

Not Recorded

उत्तर प्रदेश सरकार को उचित प्रभावी निदेश प्रदान करें। मैं आपके माध्यम से इस गंभीर समस्या के त्वरित समाधान हेतु केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहायता राशि दिए जाने की मांग करता हूं।...(व्यवधान) सौ करोड़ का क्या हुआ?...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to me. अभी 60 मैम्बर्स और बोलने वाले हैं। अगर आप इसी तरह से लैक्चर करते रहेंगे तो मेरे लिए सबको एकॉमोडेट करना मुश्किल हो जाएगा। इसके लिए दूसरा तरीका यह है कि बाकी जो मैम्बर रह गए हैं उन्हें छः बजे के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा। आप पहले मेरी बात सुनिए । अगर आप चाहते हैं कि एक बजे से पहले आपको बुलाया जाए तो मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगा कि मैं दो मिनट से ज्यादा नहीं दे सकूंगा। अगर आप चाहते हैं कि हम लैक्चर भी करें और इसके साथ दूसरों पर अटैक भी करें, यह मेरे लिए संभव नहीं है कि मैं सब को अभी समय दे सकूं। अगर आप दो मिनट में बोल सकते हैं तब तो मैं आपको समय दे सकता हूं, नहीं तो छः बजे जीरो ऑवर लेंगे, मैं अभी दूसरा बिजनेस ले लेता हूं।

...(व्यवधान)

कई माननीय सदस्य : ठीक है, दो मिनट का समय ठीक है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप दूसरों पर अटैक कम करें और अपने काम की बात कहें।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपको समय मिलेगा।

...(व्यवधान)